

साधेसाधनपर्यायपर्यायित

५४ अंशाभ्यासायनार्कका अंशका अंशा थोरे हनु भन्दा सन्धिमाधनु पड़ेन
सायनार्कका अंशको अंशागर्त सन्धिभन्दा थोरे भयो भन्दा पात हुनु धेरै भयो हुदैँन
गम्यपातको लेखाना

सागवर्क सायन सूर्य भिन्नगोल साह भन्या कहि न्या प्रकार लेशरल्या उनु ४ ले भाग
लिन सायन राविको भुजगर्न भुजका अंशगर्न ल्या उनु ४ ले भाग लिया को अंक भ
न्या री भयो भन्या राविको पदान्यत्व हुन्छ कलो भन्या समपद सार ल्या को भन्या विष
मपद विषम पद साभन्या समपद जानु ऐसे का विचार ले गत गम को विगुर्नु
सागवर्क का भुजको अंशगर्न ५ ले भाग लिन ले
समपद का भुजको अंशगर्न ५ ले भाग लिन ले

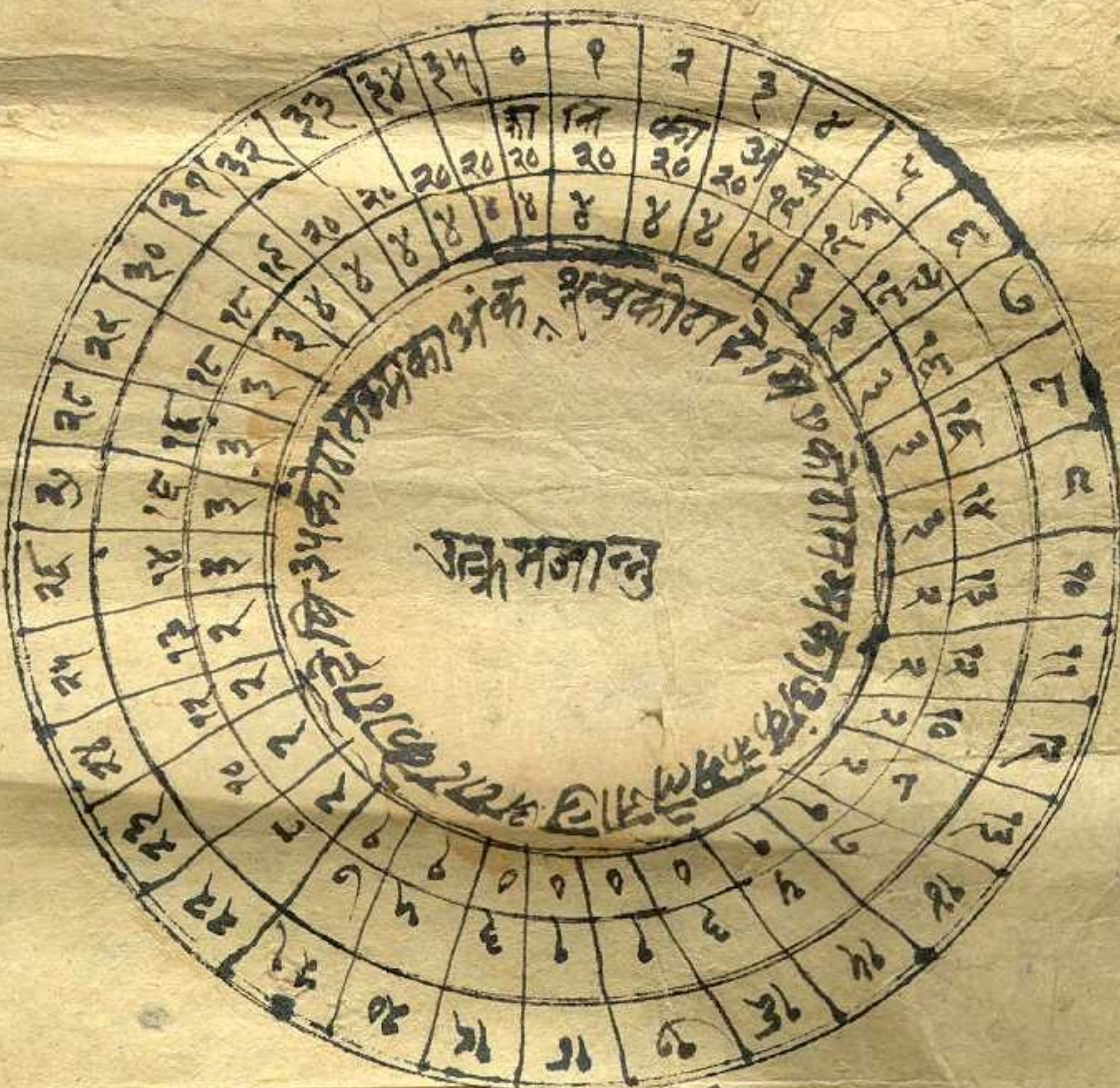
०	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०	८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०	९१	९२	९३	९४	९५	९६	९७	९८	९९	१००
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----

स्य सारत्वात् न्यासिनि

क्रान्तिल्याउन्मागत

गमपदभारवाकासायनसूर्यकोरितवताइह मायनसूर्यकाभुजकाअंशालाईपलेम
गलितुवाकिरवाकोशेषषड्विचोहिमाहभानेगविहोइउगोआयाकोलधुइ
हउतेविहंडाकाअंकपृथकगमनुयेहअंकसमेतगतपातहभन्यायेसोअंकआदिग
पाकागतेपातहभन्यापछाडिकाहअंकरायनुपयपातहभन्याआडन्याहअंकग
नुसायनसूर्यककादिहभन्याचान्दमकशादिहभन्यासोम्यकानिकाअंकहउ
भन्यावंडाआयाकोहगजपातहभन्या३५३४३३३२३१कोठाकोअंकरायनु३०

खंडा आया कोट भसा १०११२०१२१२२ कोटा का अंक राखनु उक्रमका अंक जति कोटा का आया का छ
 नृजति अंक अधिसौम्य धियो भन्यायाम्पु रुद्ध अधि याम्पु धियो भन्यासौम्पु रुद्ध उक्रमका अंक आ
 या का छनाले उल्लाभमा को हो विषम पदमा रखा का सय कोरी तत अरु सवें ये के हो त गम्यमा मा न अं
 धिगत छ भन्यासै रंगम्यका अंक राखनु अधिगम्य धियो भन्या ओ रंगतका अंक राखनु फरक राखि अं
 अंक स्थापना गनी लाई मात्र छ



शाका अंक ल्याउ मागि त

सागवर्क का भुज को अंश गनु पले भाग लिनु जो आया को ल धावरा डा रुद्ध रोहि कोटा को शाक
 का अंक दे विगत गम्य जो छ कानिका छ अंक ल्याउ दा का ही त ले लाउनु कानिका को टा
 को क्रम सवें ए के हो कानिका छ छेन खंडा आशो यर हा का अंक के मान प्रयोजन छेन का
 लिदिनु सौम्य याम्पु धियो भन्यासै रंगम्यका अंक राखनु अधिगम्य धियो भन्या ओ रंगतका अंक राखनु फरक राखि अं
 निमा र्हे विपरित गनु विषम पद आये मा पाने कानि र्हे र्हे र्हे

कानि रासाधन गमागि त

कानिका छ अंक शाका अंक यथाक्रम ले स्यापना गनु एके अयन का छ भन्या जो रनु भिन्न भन्या
 का छ भन्या अनगनु आका २ अयन ननाई स्थापना गनु कानिका ल्याउ दा मा पथक राखि थापाव
 आदिका एक अंक ल्याई उले साखलि जो आया को ल धावरा डा रुद्ध रोहि कोटा को शाक
 शाभन्या जो रनु भिन्न भन्या अनगनु आका २ अयन ननाई स्थापना गनु कानिका ल्याउ दा मा पथक राखि थापाव
 कालवना उना लाई ल्याउ मा वा र धीपला कोरी त

अधिशो यर हा का अंक को प्रयोजन ले छिनु कानिका रं वंडा आशो यर हा का अंक को टा
 हिम्या छ भन्यासै रंगम्यका अंक राखनु अधिगम्य धियो भन्या ओ रंगतका अंक राखनु फरक राखि अं



शरका अंकलया उन्मारीत

सागर्वक का भुजकी अंशगर्नु पले भागलिनु जो आया को लक्ष्य राडा हुन्छ तेहि कोठा को शरका
का अंक देविगत गम्य जो छ कानिका छ अंकलया उदाका ही तले लया उनु कानिका दश
को क्रम सवै एक हो कानिका छैन रवडा आर शो य राहा को अंक को मान प्रयोजन छैन का
लिदिनु सो मयामय पनि भक्त शक्ति का दिकारि तले जानु उक्त मका अंक आया का का
निमा हुने विपरीत गर्नु विषम पद आये मापनि कानि नै हुनु

कानि गण साधन गणारीत

कानिका छ अंक शरका अंक यथाक्रम ले स्थापना गर्नु एक अयन का छ भन्ना जो नु भिन्न भय
का छ भन्ना अनगर्नु आकाश अयन ननाई स्थापना गर्नु कानि लया उदामा पृथक गण भयाव
जादिका एक अंकलाई १३ ले मालि जो आया को लक्ष्य राडा हुन्छ गरीया का अंक का एक
शाभया जानु भिन्न दशाभया घटाउनु भेदे आया का कानि साम्य का पर धापे ला मास का गणित मध्य
काल वनाउना लाई लया उमा वा र धीपला को गण

अधिशो य राहा का अंक को प्रयोजन ले विच्छ कानि कार वडा आई शो य राहा को पाछि वा
हिमा छ भन्ना राहा का अंक लाई पले भागलिनु जो आया को लक्ष्य राडा हुन्छ पले भागलिनु
संजा हुन्छ गत पात छ भन्ना तेहि पले भागलिनु दामा आया को अंक १ मा घटाउनु
लोपान लघु संजा हुन्छ पृथक् राडा हुन्छ एहि लघु संजा भया का अंक लाई लघु अथा
डी का एक अंक ले गुनु दले भागलिनु जो आया को लक्ष्य आया को लक्ष्य राडा
मा जो नु तेहि अंक मा एकै का अंक क मेले जाति घटन छ घटाउनु न घटा को
विशुद्ध संजा हुन्छ घट्टे हो जा पछि वा कि राहा का अंक लाई विशुद्ध संजा ले
भागलिनु उमा का काल लक्ष्य मा गति गो राहा को अंक घटा को छ उनि अंक
जो नु लघु घटाउनु ३ ले गुनु भेले आया का कानि साम्य दिन का नक्षत्र का
गति व्युत्पत्ति ले गुनु ते भागलिनु आया को लक्ष्य कानि साम्य का लक्ष्य राडा
धीपला भाग गत पात भया घटाउनु पश्य पात भया जो नु पात को मध्य काल
हुन्छ एकै का अंक छ गोटा सवै घटा भन्ना अन्तकार अंक फेरि एक बनाइ संका गउ

स्थिति लया उन्मारीत

अधिभाग लिया का विशुद्ध संजाले १२२ लाइ भागलिनु जो आया काल लक्ष्य स्थित का
धीपला हुन्छ
मध्यम काल मा स्थिति घटाइ दिनु कानि को प्रवेश काल हुन्छ
मध्यम काल मा स्थिति जो दिनु पात को तिथि मका ले हुन्छ